धनराशि खर्च हुई, किन यात्राओं में उनका पुत्र, पुत्रवधु, पौत्र अथवा पौत्री उनके साथ गये और किन स्थानों तक वे उनके साथ गए ;

(ख) उन व्यक्तियों अथवा अधिकारियों के नाम क्या हैं ; जिन्होंने उन यात्राओं के विमान किराये, टैक्सी किराये और होटल बिल के व्यय को पूर्ण रूप से अथवा आंशिक रूप से वहन किया था, जिनमें उनके पुत्र, पुत्रवधु पौत्र अथवा पौत्री उनके साथ गए थे;

(ग) उनके परिवार के उन सदस्यों के विमान किराये का, जो उनके साथ गए थे और जिनमें वायु सेना के विमानों का उपयोग किया गया था, किस प्रकार हिसाब लगाया गया था ;

(घ) क्या कुछ बिल अभी बकाया हैं अथवा वायु सेना द्वारा अभी भेजे नहीं गए है ; और

(ङ) क्या श्रीमती गान्धी ने अपनी विदेश यात्राओं के लिए इण्डियन एयरलाइन्स अथवा एयर इण्डिया के विमानों का उपयोग किया था ; यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ?

विदेश मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) : (क) और (ङ). अपेक्षित ब्यौरा सभा पटल पर रखे गए विवरणों में दिया गया है (विवरण भाग I और भाग II) [ग्रन्थालय में रखे गए । देखिए संख्या एल टी 943/77]

(ख) श्रीमती गाधी और उनके परिवार के जो सदस्य उनके साथ गए थे, वे उन सरकारो के अतिथि थे जिनके राजकीय दौरे पर श्रीमती गांधी गई थीं और उन सरकारों ने ही उनके आवास और आवश्यक परिवहन का प्रबन्ध किया था ।

(ग) ऊपर भाग (क) में उल्लिखित विवरणों मे जैसा कि संकेत दिया गया है भारतीय वायुसेना के विमानों द्वारा की गई इन यात्राओं में उनके परिवार के सदस्य साथ नहीं थे ।

(घ) भारतीय वायुसेना की वी० आई० पी० उड़ानों से सम्बद्ध सरकारी नियमो के अधीन प्रधान मंत्री राजकीय प्रयोजन से भारतीय वायुसेना के विमानों का इस्तेमाल प्रभारों को अदायगी किये बिना कर सकता है। यह पूरी तरह प्रधान मंत्री की मर्जी पर होता है कि वह जिसे चाहे अपने साथ ले जाए । श्रीमती गांधी ने भारतीय वायुसेना के वी० आई० पी० उडानो से विदेशों के जो पांचों दौरे किये थे उन पांचों दौरों की सरकार से निशुल्क स्वीकृति प्राप्त थी । इसलिए वायुसेना से कोई बिल नही आना है ।

स्ट्रक्चर फेब्रिकेशन

6195. **श्री मोहन जैन** . क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स लिमिटेड, भिलाई ने भारत इंजीनियरिंग वर्क्स, बी० के० इंजीनियरिंग कारपोरेशन, सिम्पलैक्स इंडस्ट्रीज आदि को स्ट्रक्चर फेब्रिकेशन का काम पिछले लोक सभा चुनावों के दौरान 1400 रुपये प्रति टन दिया गया था जबकि यही काम इन्हीं कम्पनियों को इस अवधि में से पूर्व 1000 रुपए प्रति टन दिया गया था ;

(ख) क्या शर्मा कंस्ट्रक्शन कम्पनी, पटेल इंजीनियरिंग कम्पनी और नेशनल फेब्रिकेशन ने वही काम 600 रुपये प्रति टन के हिसाब से किया था ;

(ग) बढ़ी दरों पर काम देने से हिन्दुस्तान कंस्ट्रक्शन लिमिटेड को कितनी हानि हुई

(घ) क्या सरकार इस मामले की जांच करा कर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही करेगी , और

(ङ) इस बारे मे पूरा ब्यौरा क्या है ?

इस्पात और खान मत्री (श्री बीजू पटनायक) : (क) जी, नही । यह सही नही है कि हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कन्स्ट्रक्शन लि०, भिलाई ने भारत इजीनियरिंग वर्क्स, बी० के० इजीनियरिंग कारपोरेशन, सिम्पलैक्स इंडस्ट्रीज आदि को स्ट्रक्चर फैब्रिकेशन का काम पहले 1000/–रुपये प्रति टन की दर मे दिया था और लोक-सभा के पिछले चुनावो के दौरान उसी काम के लिये दर बढाकर 1400/–रुपये प्रति टन कर दी गई थी ।

(ख) जी, नही ।

(ग) से (ङ) प्रश्न नही उठते ।

एच० एस० सी० एल० के प्रबन्धक

6194. **श्री वीरेन्द्र प्रसाद** क्या इस्पात और खान मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या एच० एस० सी० एल० के प्रबन्धको ने भिलाई के स्टील स्ट्रक्चर फैब्रिकेशन के लिए 1976–77 मे मैसर्स शम्मी कन्सट्रक्शन कम्पनी, नेशनल फेब्रिकेशन और पटेल इजीनियरिंग कम्पनी को 500 रुपये प्रति टन की दर से ठेका दिया था और उसी साल उसी काम के लिए भारत इंडस्ट्रियल वर्क्स, सीवर लाइन्स उद्योग, बी० के० स्ट्रक्चरल्स, भिलाई इंजीनियरी, कम्पनी स्ट्रक्चरल्स को 950 रुपये प्रति टन के दर से दिया था और यदि हा, तो इससे एच० एस० सी० एल० को कितना घाटा हुआ और इसके लिए कौन उत्तरदायी है , और

(ख) क्या सरकार इसके लिए उत्तरदायी पाये जाने वाले व्यक्तियो के विरुद्ध कार्यवाही करेगी ?

इस्पात और खान मंत्री (श्री बीजू पटनायक) (क) जी, नही । मेसर्स शर्मा कन्स्ट्रक्शन कपनी (न कि मेसर्स शम्मी कन्स्ट्रक्शन कपनी जैसाकि प्रश्न मे कहा गया है), नेशनल फैब्रीकेशन और पटेल इजीनियरिंग कपनी नामक तीन कपनियो को दिये गये काम की तुलना भारत इडस्ट्रीयल वर्क्स तथा अन्य उल्लिखित पार्टियो को दिये गये काम से नही की जा सकती है । पहले ग्रुप के ठेकेदारो को 550/–रु० प्रति टन की दर मे हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कन्स्ट्रक्शन लिमिटेड द्वारा विकसित फैब्रीकेशन यार्ड का मुफ्त इस्तेमाल और मुफ्त बिजली देने की व्यवस्था शामिल है और सविरचित ढाचो को क्रेनो द्वारा ट्रेलरो मे लादने का काम शामिल नही है । दूसर ठेकेदारो के लिए स्वीकृत 800/–रुपये की औसत दर मे सविरचित ढाचो को क्रेनो की सहायता से ट्रैलरो मे लादने का काम शामिल है और यार्ड के इस्तेमाल तथा मुफ्त बिजली देने की सुविधाओ की व्यवस्था नही है ।

(ख) प्रश्न नही उठता ।

Representation for upgrading the Post Office in Junagarh

6197 SHRI DHARAMSINHBHAI PATEL Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state

(a) whether several representations have been received for upgrading the Junagarh city Post Office in Gujarat State and for construction of a new building for this Post Office

(b) the action taken so far or proposed to be taken by Government in this regard; and